श्री संदेश कुमार शर्मा, सदस्य (योजना) का जीवनवृत्त

- श्री संदेश कुमार शर्मा ने वर्ष 1984 में केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण में कार्यभार ग्रहण किया और 36 वर्षों से अधिक के कार्यकाल के दौरान इन्होंने विद्युत के विभिन्न पदों और क्षेत्रों के तहत काम करते रहे है। इन्होंने 25 मार्च, 2019 को केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण में सदस्य (योजना) के रूप में पदभार संभाला।

- इन्होंने अपनी बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रिकल) और मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार) आईआईटी, रुड़की से पूरी की। श्री शर्मा ने अपने कैरियर की शुरुआत संगठन में विद्युत प्रणाली स्कंध (पावर सिस्टम विंग) में की और विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएँ दी है। उन्होंने प्रणाली योजाना अध्ययन, विद्युत उत्पादन योजना अध्ययन, ग्रिड संचालन, कानूनी एवं विनियमन सुधारों, विभिन्न तकनीकी विनियमों का निर्धारण/परीक्षण, विद्युत क्षेत्र की परियोजनाओं का मूल्यांकन, विद्युत की मांग का पूर्वानुमान आदि क्षेत्र में गहन अनुभव प्राप्त किया है। वे केविप्रा में सूचना-प्रौद्योगिकी के बुनियादी ढांचे के विकास से भी जुड़े रहे। वर्ष 2005 से 2008 तक पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विद्युत समिति में कार्यभार के दौरान वह उत्तर-पूर्वी ग्रिड, अंतर-राज्य/अंत:राज्य पारेषण प्रणाली की योजना, उत्पादन और पारेषण इकाइयों के आउटेज की योजना में सुधार के लिए जिम्मेदार थे।

- केविप्रा में प्रधान मुख्य अभियंता के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों में विद्युत क्षेत्र में साइबर सुरक्षा उपायों का समन्वय और कार्यान्वयन, नेशनल पावर पोर्टल का विकास और इसका शुभारम्भ, भू-स्थानिक ऊर्जा पोर्टल के कार्यान्वयन के लिए इसरो के साथ समन्वय, केविप्रा में ई-ऑफिस का कार्यान्वयन, वाईफाई पायलट परियोजना, वीडियो कॉन्फ्रेंस सुविधा, प्रशिक्षण संस्थानों की मान्यता, प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करना तथा इसे आयोजित करना, विभिन्न स्कंधों के साथ समन्वय करना आदि शामिल हैं।

- श्री शर्मा, संकटग्रस्त (स्ट्रेंडिड) गैस आधारित विद्युत परियोजनाओं के पुनरुद्धार, विद्युत के सीमापार व्यापार, विद्युत क्षेत्र में साइबर सुरक्षा, विद्युत के उत्पादन, पारेषण और वितरण के लिए मेक इन इंडिया नीति, प्रशुल्क नीति 2016, राष्ट्रीय विद्युत नीति

योजना, विद्युत अधिनियम, 2003 में संशोधन आदि जैसी नीतियों/दिशानिर्देशों के निर्धारण के कार्य से भी जुड़े रहे हैं।

- उन्होंने रजिस्ट्रार, विद्युत अपीलीय न्यायाधिकरण एवं सचिव, गोवा व केंद्र शासित प्रदेशों के संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग की अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी संभालीं।

- केविप्रा में सदस्य (योजना) और भारत सरकार के पदेन अतिरिक्त सचिव के रूप में श्री शर्मा, राष्ट्रीय विद्युत नीति तैयार करने, एकीकृत संसाधन योजना, संसाधन खपत के अनुकूलन के लिए योजना एजेंसियों के बीच गतिविधियों का समन्वय, देश के लिए लघु, मध्यम और लंबी अवधि की योजनाएं तैयार करने, विद्युत मांग में वृद्धि के लिए सर्वेक्षण, विद्युत क्षेत्र के आंकड़ों का संग्रह, संकलन और प्रकाशन, विभिन्न नीति और योजना कार्य, बड़े शहरों और एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) के लिए दीर्घकालिक मांग पूर्वानुमान पर इलेक्ट्रिक पावर सर्वे रिपोर्ट, विद्युत संयंत्रों को कोयला और गैस की आपूर्ति, ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों की योजना और विकास, देश के विद्युत क्षेत्र में आपदा और संकट प्रबंधन योजना बनाने, ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोग, ग्रिड में अक्षय ऊर्जा स्रोतों का एकीकरण, विद्युत क्षेत्र में अनुसंधान और विकास, अनुसंधान और विकास गतिविधियों में शामिल विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय, तकनीकी मानकों का निरूपण, इलेक्ट्रिक वाहनों व चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए दिशा-निर्देश, ताप विद्युत, जल विद्युत, पारेषण और वितरण क्षेत्र और इसके कार्यान्वयन से संबंधित "मेक इन इंडिया" नीति के संबंध में आदेश तैयार करने से संबंधित कार्यों के लिए जिम्मेदार हैं।